दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273009
(नैक प्रत्यायित 'B' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ & Fax : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : digvijayans@gmail.com
: dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

पत्रांक : /2019–20 दिनांक 09.05.2020

समाचार स्वरूप प्रकाशनार्थ

कोराना महामारी के कारण विश्व अभूतपूर्व मंदी की ओर अग्रसर–प्रो. टी.पी. सिंह

9 मई 2020। ''चीन प्रारम्भ से ही ऐसा मानता रहा है कि भू–राजनीतिक सुधारों का रास्ता आर्थिक सुधारों से ही साफ हो सकता है। चीन के आर्थिक सुधारों ने उसे वैश्विकरूप से इतना सबल बना दिया है कि आज अमेरिका जैसे शक्तिशाली देश ही नहीं अपितु दुनिया के अन्य देशों के सामने भी गंभीर संकट खड़ा हो गया है। कोरोना महामारी चीन की एक सोची समझी चाल है। वह इसके द्वारा अपने पुर्व निश्चित लक्ष्य को प्राप्त करने की ओर तेजी से अग्रसर है। इस बात से नकारा नहीं जा सकता है कि वर्तमान में चीन पर जो वैश्विक निर्भरता है उस कारण से ही विश्व समुदाय एवं मानव सभ्यता खतरे में पड़ गई है। इस संकट काल में जहॉ पूरा विश्व महामारी से मुकाबला करने में जी जान से लगा हुआ है वहीं चीन आपनी भू–राजनीतिक एवं सामरिक शक्ति को बढ़ाने में लगा हुआ है। चीन की चालबाजियों के करण आज दुनिया के कई बड़े देशों ने अपनी अर्थव्यवस्था को चीन से अलग करने की बात कह रहें है। जापान ने तो अपने देश की कम्पनियों से आग्रह किया है कि वे चीन में अपने विनियोग तथा इकाईयों को बन्द कर दें या उन्हें जापान अथवा दुनिया के किसी अन्य देश में स्थान्तरित करें। यदि ऐसा करने से उनका व्यापार प्रभावित होता है तो जापान सरकार उनकी आर्थिक एवं राजनैतिक मदद भी करेगी।'' उक्त बाते बनारस हिन्दु विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान के प्रो. टी.पी. सिंह ने दिग्विजयनाथ पी. जी. कालेज, गोररखपुर में आयोजित दिग्विजयनाथ जी महाराज के जयंती के सप्ताहिक जयंती व्याख्यान कार्यक्रम के तीसरे दिन फेसबुक लाइव के माध्यम से 'कोविड–19 एवं भू–राजनीतिक प्रतिस्पर्धा' विषय पर मुख्य वक्ता के रूप मे कही।

अपने वक्तव्य में आगे उन्होंने कहा कि विश्व आज एक अभूतपूर्व मंदी की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। यह मंदी पहले की सभी मंदियों से बिल्कुल अलग है। पूर्व की सभी मंदीयां जहां आर्थिक कारणों से आई वहीं यह मंदी एक महामारी के कारण आयी है जिसने कई प्रकार की नवीन समस्यायें उत्पन्न की है। कोरोना काल के कई नाकारात्मक प्रभाव रहें हैं फिर भी इसके कुछ साकारात्मक पहलू भी है। जैसे औद्योगिक क्रांति के प्रारम्भ के बाद वैश्विक तापमान में जो तेजी आयी, तो ऐसा लगने लगा था कि इस पर अंकुश लगना सम्भव नहीं है परन्तु आज इस संकट काल में तापमान वृद्धि पर विराम लगा है। आज आई.टी. के क्षेत्र में भी तेजी आई है। एक तरफ जहॉ लोग लॉकडाउन के कारण शारीरिक दूरी बना रहे है वही सूचना तकनीकि द्वारा एक दूसरे को जोड़ने व संवाद स्थापित करने पर बल मिला है। की लोगो को एक दूसरे से जोड़ने एवं संवाद स्थापित करने का माध्यम बल मिला है।

इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डा. शैलेन्द्र प्रताप सिंह, प्राध्यापक डॉ. राजशरण शाही, श्री पवन कुमार पाण्डेय, डॉ. अमरनाथ तिवारी सहित अन्य सभी प्राध्यापक, कर्मचारी, विद्यार्थी एवं समाज के प्रबुद्ध जन फेसबुक के माध्यम से जुड़े।

दिनांक 10 मई को अपराह्न 1 बजे 'कोविड–19 महामारी तथा भारत के समक्ष भू–सामरिक एवं भू–आर्थिक चुनौतियॉ और विकल्प' विषय पर मगध विश्वविद्यालय गया, बिहार के कुलपति प्रोफेसर आर0पी0 यादव जी फेसबुक लाइव के माध्यम से अपना व्याख्यान देंगे जिसे महाविद्यालय के फेसबुक पेज पर देखा जा सकता है।

डॉ.(शैलेश कुमार सिंह)
प्रभारी सूचना एवं जनसम्पर्क